(ग) भूमि और उस पर सम्पत्ति का, यदि कुछ हो, प्रचलित मार्केट मूल्य देने पर ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. RAGHURAMAIAH): (a) 12.

(b) No concession in price is allowed to any 'Priority Indentors' other than the Central Ministries excluding the Ministry of Railways.

(c) On payment of current market value of the land as well as of the assets standing thereon, if any.]

भारत व इंडोनेशिया के मध्य वायु-सेना के अफसरों का आदान प्रदान

७७३. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इंडोनेशिया व भारत के आपसी सहयोग के समझौते के अनुसार कितने भारतीय वायु-सेना के अफसर इंडोनेशिया वायु-सेना में लग रहे हैं और कितने इंडोनेशिया वायु-सेना के अफसर भारतीय वायु-सेना में ?

†[EXCHANGE OF AIR FORCE OFFICERS BETWEEN INDIA AND INDONESIA

773. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state the number of Indian Air Force Officers who are attached to the Indonesian Air Force and how many Indonesian Air Force Officers are attached to the Indian Air Force under the Mutual Cooperation Agreement between Indonesia and India?]

प्रतिरक्षा उपमंत्री (श्री के० रघुरमैया): समझौते के अनुसार वर्तमान समय में भारतीय वायु-सेना के ४ आफिसर इंडोनेशियन एयर फोर्स के साथ और इंडोनेशियन एयर फोर्स के ६ आफिसर और ४ हवाबाज भारतीय वायु-सेना के साथ संलग्न हैं ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. RAGHURAMAIAH): Four Indian Air Force officers are attached to the Indonesian Air Force and six Indonesian Air Force officers and four airmen are attached to the Indian Air Force at present under the Agreement.]

नौ सेना के लिये देश में उत्पादित सामान

७७४. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नौसेना के मुख्यालय का स्टोर्स व प्रोडक्शन का डायरेक्टोरेट विदेशों से मगाये जाने वाले कितने व कितने मूल्य के सामान को प्रतिवर्ष अब भारतीय उद्योगों से ही प्राप्त कर रहा है; और

(ख) वह चीजें क्या हैं और विदेशी सामान के मुकाबले में प्रकार व मूल्य के मामले में क्या स्थान रखती है ?

†[INDIGENOUS PRODUCTION OF NAVAL STORES

774. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the quantity and value of stores which were previously ordered every year from abroad by the Stores and Production Directorate of the Naval Headquarters and which are now being obtained from Indian industries; and

(b) what are those stores and how they compare in quality and price with foreign stores?]

प्रतिरक्षा उपमंत्री (श्री के० रघुरमैया): (क) १९५६-५७ और १९५७-५८ के पहले त्रिमास में इस प्रकार के सामान के आंकड़े और मूल्य क्रमश: ८० टन और १२.५ लाख रुपये और २६ टन और ५.७५ लाख रुपये हैं, और १९५७-५८ के प्रत्याशित आंकड़े और मूल्य १६० टन और २३ लाख रुपये ।

†[ ]English translation.